हाँ कवच धारण से मेरी भी जिन्दगी संवरी

सौंदर्य-सम्मोहन-आकर्षण कवच ने बढ़ाया मेरा आत्मविश्वास

गुरुजी, चरण स्पर्श स्वीकार करें! आपकी शिष्या रोशनी बत्रा भिवानी से पाठकों को बताना चाहती है कि किस तरह से उसका आत्मविश्वास जगा और उसमें खोया आकर्षण लौटा। जब मैं कक्षा १२ में थी उस समय मुझे टायफाइड हो गया था। जिसकी वजह से मैं लंबे समय तक अपने आपको संभाल नहीं पाई। मैं जरूरत से ज्यादा दुबली हो गई। मेरे चेहरे का आकर्षण लुप्त हो गया। सुंदरता का नामोनिशान तक मिट चुका था। धीरे-धीरे वक्त गुजरने के साथ मैं शरीर से तो ठीक हो गई लेकिन चेहरे को ठीक नहीं कर पाई। इससे मुझमें हीन भावना आ गई। इसी चक्कर से मैंने शादी, फंक्शन आदि में शामिल होना भी छोड़ दिया। मेरा आत्मविश्वास पूरी तरह खत्म हो चुका था। एक दिन मैं घर पर अकेली थी बाकी सभी बाजार गये हुए थे। मैं घर पर लेटे-लेटे टेलीविजन देख रही थी। तभी मुझे पं. कमल राधाकृष्ण श्रीमालीजी का प्रोग्राम देखने को मिला। प्रोग्राम में मेरी रूचि बढ़ने लगी। प्रोग्राम के आखिर में उन्होंने जो कवच के बारे में ज्ञान दिया वह मुझे अच्छा लगा। मैंने अपनी मम्मी से इस बारे में बात करके सौंदर्य-सम्मोहन-आकर्षण कवच मंगवाकर धारण कर लिया। कवच के प्रभाव से मेरे शरीर में रात-दिन परिवर्तन होने लगा। चेहरे पर जो रूखापन तथा जो छाया दिखाई देती थी वह धीरे-धीरे कम होने लगी। ६-७ महीने में तो मेरा चेहरा बिल्कुल साफ हो गया। अब मैं भी सुंदर और स्मार्ट दिखने लग गई थी। इस वजह से मेरा आत्मविश्वास बढ़ गया। मैं बहुत खुश रहने लगी। गुरुजी यह सभी आपके कृपा प्रसाद का ही नतीजा है कि मुझे दुबारा से जीवन शुरू करने का मौका मिला। धन्यवाद।

रोशन बत्रा, भिवानी

अष्टलक्ष्मी कवच ने बचाया मुझे डूबने से

पूजनीय श्रीमालीजी! मैं हैंडीक्राफ्ट आईट्मस का बिजनस करता हूँ तथा बाहर भी एक्सपोर्ट करता हूँ। मेरे व्यापार में मेरे अलावा ३ और साझेदार हैं मुझे मिलाकर कुल चार। शुरू-शुरू में ३-४ साल तक तो ठीक चलता रहा। पर अब यह सारे पार्टनर आपस में मिल गये हैं। और मेरे खिलाफ प्लान कर मुझे वस्तु स्थिति से दूर रख रहे हैं। जबकि यह कम्पनी मेरी सोच का नतीजा थी। एक दिन मेरा उनसे झगड़ा हो गया। जब मुझे वास्तविक स्थिति का भान हुआ तब तक तो मैं अंदर से काफी खोखला हो गया था। उन्होंने कंपनी का ज्यादातर पैसा अपने अंडर में कर लिया था। जिन लोगों पर मैंने अटूट विश्वास किया था वह मेरे बैरी बन गये थे। मुझे अपना व्यापार डूबता हुआ महसूस होने लगा। अब मैं बंटवारा करना चाहता था। वह भी राजी हो गये। हमने खुशी-खुशी बंटवारा कर लिया। मुझे बहुत घाटा हुआ। फिर भी मैंने हिम्मत नहीं हारी और फिर बाजार से पैसा उठाकर अपने व्यापार में लगाया। लेकिन वक्त गुजरने के साथ मेरी सभी पार्टियों ने

और कंपनियों से नाता जोड़ लिया। कर्ज बढ़ रहा था। मैंने ज्योतिषी पं. कमल श्रीमालीजी के बारे में काफी सुन रखा था। इतना परेशान होने पर समय निकालकर उनसे मिलने का निश्चय किया। ठीक समय पर अपाइटमेंट लेकर मैं वहाँ पहुंचा। मैंने उन्हें अपनी पूरी समस्याँ बताई तथा उन्होंने मेरी कुण्डली देखकर जो-जो बाते बताई वह सभी सही थी। मैं इस भविष्यवाणी से आश्चर्यचकित हो गया था। इसके पश्चात् उन्होंने मुझे कुछ उपाय करने को बोला और अष्टलक्ष्मी कवच धारण करने के लिए कहा। मैंने वह प्राण प्रतिष्ठित कवच बनवाकर धारण कर लिया। मेरा व्यापार यूं ही चलता रहा। एक दिन मेरी दो-तीन पुरानी व फैमस पार्टीयों ने फिर मुझसे संपर्क साधा और ऑडर लेने के लिए कहा। मुझे खुशी हुई कि चलो शुरूआत तो हुई। धीरे-धीरे वक्त गुजरने के साथ-साथ मेरा व्यापार और बढ़ता गया और मेरी सभी पार्टियों वापिस मुझसे जुड़ गई। जबकि उधर मेरे तीनों ही साझेदारों ने मिलकर किसी और बिजनेस में हाथ डाला। उन्हें इतना बड़ा घाटा हुआ कि तीनों ही दिवालिये हो गये। मेरा व्यापार आपकी कृपा से वापस अच्छा चल निकला है। मैं भगवान का शुक्रिया अदा करता हूं कि वक्त रहते मुझे इन अहसानफरामोश व्यक्तियों के चंगुल से निकाल लिया और मेरे डूबते व्यापार को सहारा दिया।

विनय कुमार, रायपुर, छत्तीसगढ़

दसमहाविद्या कवच धारण करने से मेरी भी नौकरी लगी

गुरुजी प्रणाम! मेरे पिताजी आपकी पत्रिका के मेम्बर हैं गुरुजी मुझे एम.ए. किये हुए २ साल हो गये थे। पर मेरे लाख प्रयास करने के बाद भी मेरे सभी प्रयत्न विफल हो गये। मैं दर-दर की ठोकरें खाने लगा लेकिन कोई ढंग की नौकरी मुझे नसीब नहीं हुई। मैं बिल्कुल टूट गया था। जहाँ भी जाता लोग मुझे उपेक्षा की नजर से देखते और बातें करते कि अरे ये इतना बड़ा हो गया और घर पर बैठा है। मुझे इस बात से बहुत शर्मिंदगी महसूस होती। इसी दरम्यान पिताजी ने एक दिन मुझे आपके यहाँ से बना हुआ दसमहाविद्या कवच धारण करवा दिया। कवच पहने हुए मुझे ३ महीने से ऊपर निकल चुके थे। मैंने ४ जगह इंटरव्यू दिये हुए थे तीन जगह से जवाब आ चुका था बस एक जगह से आना बाकी था। एक दिन जब मैं सुबह नहाधोकर बैठा ही था तभी मेरे लिए एक फोन आया जब मैंने फोन उठाया तब मुझे मालूम चला कि फोन उक्त कंपनी से ही था। मुझे २ घण्टे के अंदर कंपनी पहुंचने के लिए कहा गया था। मैं फटाफट कपड़े चेंज कर कंपनी के लिए निकल गया। जब मेरा नंबर आया तो उन्होंने मुझे सीधा यही कहा कि १६००० रूपये अभी ट्रेनिंग के दौरान तनख्वाह देंगे फिर ६ महीने में आपका पेमेंट बढ़ा दिया जायेगा। मेरे लिए यह भी काफी थी। मेरी खुशी का ठिकाना नहीं रहा। मैं जल्दी-जल्दी घर आया और पिताजी और मम्मी को यह खुशखबरी दी। सभी बहुत खुश हुए। मैंने भगवान का हृदय से धन्यवाद किया और दूसरे ही दिन से कंपनी ज्वॉइन की। मैं गुरुजी आपको बहुत-बहुत धन्यवाद अपने हृदय से देता हूं कि जिनके प्रताप से मुझे यह दिन देखने को मिला।

प्रदीप नारायण, निजामाबाद, तेलंगाना

सौंदर्य, आकर्षण, सम्मोहन कवच ने दिखाया अपना प्रभाव

वंदनीय गुरुजी, चरण स्पर्श! मेरे पिताजी आपके परम शिष्य है और आपकी पत्रिका हमारे घर हर महिने आती है। मैं आपकी पत्रिका बड़े ही चाव से पढ़ती हूँ। हर महीने पत्रिका का इंतजार करती हूं। मैं बी. कॉम द्वितीय वर्ष की छात्रा हूँ। मैंने आपके द्वारा बनाये गये सौंदर्य-आकर्षण-सम्मोहन कवच को धारण किया है। जब से मैंने इस कवच को धारण किया है मन में गजब का आत्मविश्वास जागृत हुआ है। लगता है जैसे नई ताजगी ने जन्म ले लिया हैं। जब से यह कवच धारण किया है, तभी से चेहरा व शरीर भरा-भरा नजर आने लगा है चेहरे पर जो काली झांईंयाथी वह भी धीरे-धीरे साफ हो रही है। मेरा रंग पहले बिलकुल सांवला तथा व शरीर एकदम दुबला-पतला था लेकिन इस कवच ने तो मेरी जिंदगी ही बदल दी है। रंग भी साफ हो गया है। अब जब भी मेरे सामने कोई पुराने रिश्तेदार व मेरी सहेलियां मिलने आती हैं तो वह मुझे देखकर पूछे बिना नहीं रहते कि यह सब कैसे हुआ। तू इतनी स्मार्ट कैसे हो गई है। सभी बहुत आश्चर्यचकित हो जाते हैं। लेकिन मेरे लिए यह बहुत खुशी की बात है कि मैं भी और लड़कियों की तरह सुंदर व आकर्षक दिखने लगी हूं। लोगों का खुद चलाकर यूं कॉम्प्लीमेंट देना मुझे बहुत अच्छा लगने लगा है। लेकिन इससे पहले मुझमें आत्मविश्वास की कमी थी। मुझे लगता था कि मैं सुन्दर नहीं हूं। मैं लोगों से बातें करने में भी कतराती थी। मुझे बाहर निकलना, कॉलेज जाना बिल्कुल भी अच्छा नहीं लगता था। बस पढ़ाई की वजह से मन मार कर जाना पड़ता था लेकिन आज मुझे मन मारने की जरूरत नहीं है। मैं गर्व से कहीं भी बेहिचक आती-जाती हूं। इस सबका श्रेय में इस सौन्दर्य आकर्षण सम्मोहन कवच को देना चाहती हूँ जिसको धारण करते ही मेरी दशा व रंगरूप सभी में परिवर्तन हो गया। मैं इस पत्र के माध्यम से से गुरुजी को कोटि-कोटि धन्यवाद और प्रणाम करती हूँ।

अंजु भट्टाचार्य, सुन्दरगढ़, उड़ीसा

शिवगौरी कवच धारण से विवाह सम्पन्न हुआ

गुरुजी, मेरी चिन्ता मेरे बड़े बेटे की शादी को लेकर थी। मेरे छोटे बेटे की शादी हो गई है वह भी लव मैरिज। मैं अपने बड़े बेटे की शादी की वजह से बहुत परेशान रहती थी। कहां-कहां पर मैंने उसके लिए रिश्ता नहीं देखा। पर कहीं पर भी नहीं जमा। शहर से बाहर मेरा लड़का शादी करना नहीं चाहता था लेकिन जब उसने हां की तो बहुत देर हो चुकी थी। बाहर भी कोई रिश्ता नहीं बैठा। इसी दरम्यान् मेरा छोटा लड़का लवमैरिज करके आ गया। हमें पता नहीं चल पाया। इतनी बड़ी टेंशन फिर एक साथ पैदा हो गई। अदालतों व कोर्ट कचहरी के चक्कर भी व्यर्थ में पड़ गये। शादी तो हो गई लेकिन लोगों के तानें से कौन बचा है। लोग कहते बड़ा तो अभी तक कुंआरा बैठा है और छोटे की शादी भी हो गई। मेरे लिए यह सब सहन करने योग्य नहीं था। मेरे लिए सर उठाकर घूमना भी मुश्किल हो गया था। जहाँ भी रिश्ते के लिए जाते वहाँ हमसे पहले लवमैरिज वाली बात पहले पहुंच जाती। एक दिन की बात है मैं यू-ट्यूब पर शादी शीघ्र होने के टोटके ढूंढ़ रही थी। जिनमें पं. कमल श्रीमालीजी का एक वीडियों देखा। इस वीडियों से मैं बहुत ही ज्यादा आकर्षित हो गई। उनके काफी वीडियोज मैंने देखें। इन्हीं वीडियों से उनकी पत्रिका के बारे में पता चला तो मैंने उनकी एक पत्रिका भी मेंने मंगवाई। उस पत्रिका में पढ़ते-पढ़ते उस स्थान पर गई जहां मेरी रूकावटों का विराम लगा। वहां पर बहुत से कवचों के बीच ही शिव गौरी कवच के लिए लिखा था। मैंने बड़े ध्यानपूर्वक पढ़कर लड़के लिए वह कवच मंगवाया। कुछ दिनों पश्चात् मुझे शिवगौरी कवच प्राप्त हो गया। वह कवच मैंने अपने लड़के को पहना दिया। कुछ दिन बीते, तभी एक दिन एक व्यक्ति और उनकी पत्नी हमारे घर का पता पूछते-पूछते आये। वह घर पर आये जब उनसे बातचीत हुई तो पता चला कि वह लड़के को देखने आये हैं। मैंने तुरंत अपने लड़के के ऑफिस में फोन किया और उसे बुलाया। लड़का उन्हें पसंद आ गया। और उन्होंने अपनी लड़की की फोटो हमें दी। मुझे भी लड़की पहली

नजर में ही भा गई। उन्होंने कहा एक बार हमारे घर की औरतें लड़के को देख ले तो बाकी बातें करके हम शादी पक्की कर देंगे। जल्दी मैं मेरे परिवार वाले लड़की देखकर आ गये। उसके बाद हमने लड़के और लड़की को भी मिलवा दिया। दोनों ने एक-दूसरे को पसंद कर लिया। उन्हें भी शादी की जल्दी थी और हमें उनसे ज्यादा शादी की जल्दी थी। तीन महीने बाद ही शादी भी कर दी। जिस तरह से जिस तीव्र गति से कवच का प्रभाव हुआ वह सोचनीय है। मैं आपकी अत्यंत आभारी हूँ कि आपके द्वारा बनाये गये प्रभावशाली कवच को धारण करते ही मेरे लड़के का विवाह हो गया। आपका लाख-लाख धन्यवाद।

स्मृति कौल, झाँसी, उत्तर प्रदेश

कॉम्पीटीशन में सफलता मिली जब धारण किया अष्ट विनायक कवच

पूज्य गुरूजी, प्रणाम! मेरा लड़का दिल्ली पुलिस की तैयारी कर रहा था पर हर बार वह असफल हो जाता था। मैं उसे कभी निराश नहीं होने देता था और कह देता था कोई बात नहीं अगली बार हो जायेगा। मैंने कभी उसका हौंसला नहीं टूटने दिया। एक बार मैं अपने मित्र के वहाँ गया तो वहाँ पर विश्व तंत्र ज्योतिष की कई पत्रिकाएं देखी तो मैंने अपने मित्र से इन पत्रिका के बारे में पूछ लिया। मैंने कहा कि तुम भी तंत्र-मंत्र में विश्वास रखते हो। तब मेरे मित्र ने पं. कमल श्रीमालीजी के बारे में काफी बताया। उनके लिये तारीफों के पूल बांध दिये। तब मैंने अपनी समस्या बताई तो मेरे मित्र ने एक बार श्रीमालीजी से बात करने को बोला। मैंने नम्बर लेकर दूसरे ही दिन श्रीमालीजी के संस्थान में नंबर मिलाया। जब मैंने उनसे अपने लड़के के बारे में बताया तो उन्होंने फोन पर ही मुझे उसे अष्टविनायक कवच धारण करवाने के लिए कहा। उसके बाद मैंने अपने मित्र से बात की तो उसने भी मंगवाने का बोल दिया। उसने भी मुझे भरोसा दिलाया कि श्रीमालीजी द्वारा बनाये हुए कवच जरुर काम करते है। मैंने अगले दिन फोन कर अपने बच्चे का नाम, गोत्र वगैरह बताकर पैसे भी उसी समय पेटीएम कर दिया। कवच के मिलते ही उसमें दी गई विधि से अपने लड़के को पहना दिया। पिछले वर्ष मेरे लड़के ने कड़ी मेहनत की और वह परीक्षा अच्छे अंकों से उत्तीर्ण की और दिल्ली पुलिस में सब-इन्सपेक्टर के पद पर नियुक्त हुआ। गुरुजी यह सब आपके आशीर्वाद के फलस्वरुप ही हुआ है। सच बताये तो मेरा इन सब में विश्वास कम ही था। अब मुझे पूर्ण विश्वास हो गया है। यह मेरा सौभाग्य ही था कि आपने अपने शुभ हाथों से ऐसे कवच का निर्माण किया और मेरे लड़के की सफलता में भागीदार बने। आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

लक्ष्मीकांत वर्मा, दिल्ली

दसमहाविद्या कवच धारण करने से आर्थिक समृद्धि के द्वार खुले

पूज्य गुरुजी, मैं आपकी पत्रिका बुकस्टॉल से खरीदकर पढ़ता हूँ तथा इस पत्रिका से मुझे बहुत फायदा भी हुआ है। मैं सरकारी निर्माण का ठेका लेता हूँ। लेकिन पिछले डेढ़ साल से मुझे ठेका नहीं मिल रहा है। जितना पैसा जमा किया था वह बैठे-बैठे ही खर्च होने लगा। अब तो मुझे चिंता लग गई कि अगर कुछ दिन ऐसे ही और चला तो सारा बचाया हुआ पैसा खत्म हो जायेगा। उन्हीं दिनों मैं बाहर के काम कर रहा था। बाहरी लोगों से इतनी जान-पहचान ना होने की वजह से काम कम ही मिल पाता था। आर्थिक स्थिति कमजोर हो गई थी, लेकिन करता भी तो क्या और कोई कार्य मैं कर नहीं सकता था। तभी एक दिन मैंने दसमहाविद्या कवच धारण करने का मन बनाया और शीघ्र ही आपके ऑफिस से यह कवच मंगवाकर धारण कर लिया और भगवान का नाम लेकर फिर अगले साल के लिए फॉर्म भरे। भगवान ने मेरी सुनी और मुझे वापिस निर्माण विभाग में ठेका मिल गया। अब सब बुरे लम्हों को भुलाकर मैं जी-जान से काम पर लग गया और कुछ ही महीनों में मेरी फिर से आर्थिक स्थिति सही पटरी पर आ गई और भगवान की दया से मैंने एक जगह किराये पर लेकर अपने बेटे को एक दूकान भी लेकर दे दी है। उसने उसमें प्लास्टिक आईट्मस का धंधा लगा लिया है। आपकी कृपा से सभी कुछ बहुत ठीक चल रहा है। इन सभी सुखों के लिये आपका जितना धन्यवाद करुं उतना कम

''गोमती चक्र मुद्रिका/पैंडल''

रोग मुक्ति, शत्रु नाश, नौकरी, उन्नत्ति, दाम्पत्य सुख, व्यापार वृद्धि में सहायक

जीवन में हमें अनेक परेशानियों का सामना करना पड़ता है। कुछ परेशानियां स्वयं ही समाप्त हो जाती हैं जबकि कुछ समस्याओं के निदान के लिए विशेष प्रयास करने पड़ते हैं। तंत्र शास्त्र के माध्यम से जीवन की कई समस्याओं का निदान किया जा सकता है। गोमती चक्र एक ऐसी दुर्लभ वस्तु है और आसानी से प्राप्त नहीं होती। जिसका उपयोग तंत्र क्रियाओं में किया जाता है। यह बहुत ही साधारण सा दिखने वाला पत्थर है लेकिन यह बहुत प्रभावशाली है। गोमती चक्र धारण करने से मानसिक शांति, रोग और भय से मुक्ति, दरिद्रता से मुक्ति, कोर्ट-कचहरी के मामलों में राहत, भुत-प्रेत बाधा, शत्रु पीड़ा, दाम्पत्य सुख, संतान प्राप्ति और खास कर धन संचय में इसकी सिद्धि के विषय में अनेको मत-मतान्तर देखे जाते हैं। कुछ इसे स्वयं सिद्ध बताते हैं तो कही इसकी सिद्धि के निर्देश मिलते हैं। होली, दीपावली, नवरात्रि आदि प्रमुख त्योंहारों पर गोमती चक्र की विशेष पूजा की जाती है। अन्य विभिन्न मुहूर्तो के अवसर पर भी इनकी पूजा लाभदायक मानी जाती है जैसे-गुरुपुष्य, सर्वार्थसिद्धि योग तथा रविपुष्य योग पर इनकी पूजा करने से घर में सुख-शांति बनी रहती है- खासकर मारण, सम्मोहन, वशीकरण, स्तम्भन, उच्चाटन जैसे प्रयोग में और व्यापार वृद्धि, अचल-स्थिर लक्ष्मी, शत्रु भय, पीड़ा, देह व्याधि, दुस्वप्न जैसे विषयों में इसका प्रयोग अत्यंत प्रभाव देखा गया है, लेकिन अभिमंत्रित करने से गोमती चक्र का प्रभाव सौ गुना बढ़ जाता है।

गोमती चक्र न्यौछावर-2100/-अंगूठी, लॉकेट-1500/-

सम्पर्क करें:- **विश्व तंत्र ज्योतिष**

प्लॉट नं.-1, महावीर नगर, गौरव पथ, पॉलिटेक्निक कॉलेज मैन गेट के पास, जोधपुर-342001 (राज.)
0291-2621625, 2615625, 2618625, 2440111, 2440999 टेलीफैक्स : 0291-2618625
Email : tantravtj@yahoo.co.in Visit us : www.fameandfortune.org

आप सीधे ही 'विश्व तंत्र-ज्योतिष' के बैंक एकाउन्ट में भी पैसा जमा करवा सकते हैं।
आपकी सुविधा के लिये बैंक एकाउन्ट नम्बर इस प्रकार हैं
STATE BANK OF INDIA A/C NO. 100-563-410-66
(All Amount Payble at Jodhpur Account)